

आधुनिक विकास और गंगा के अस्तित्व पर मंडराता संकट

૩૦

कुमार कृष्ण

हैं। गंगा की इस असीमित शुद्धिकरण क्षमता और सामाजिक श्रद्धा के बावजूद इसका प्रदूषण योका नहीं जा सका है। आलम यह है कि इसे योकने में सरकारी तंत्र का दबैया भी सुस्त है। तभी तो नेशनल गीन ट्रिब्यूनल के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने मौखिक रूप से टिप्पणी करते हुए कहा है कि महाकुंभ मेले में करोड़ों लोग आते हैं, अगर सीधेज के मल-जल को गंगा में गिराने से नहीं योका गया तो लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा।



अवधारणा और जल जंगल जमीन पर जीने वाले समुदाय का अधिकार रहे। कार्यक्रम में ऑन लाइन जुड़कर आईआईटी कानूनप्र के प्रो. डॉ. राजीव सिन्हा, बीबीसी के चर्चित पत्रकार रहे राम दत्त त्रिपाठी, पूर्व सांसद एवं चौथी दुनिया के संपादक संतोष भारतीय, बिहार सरकार में अपर मुख्य सचिव रहे व्यास जी एवं विजय प्रकाश, उत्तराखण्ड के नदी कर्मी सुरेश भाई सहित तमाम लोगों की चिंता इस बात को लेकर रही कि आखिर विनाश का खेल कब तक जारी रहेगा। उत्तराखण्ड के सुरेश भाई का कहना था कि मध्य हिमालय में स्थित गौमुख ग्लेशियर में हो रहे बदलाव को समझना बहुत जरूरी है। समय रहते यदि इसके चारों ओर के पर्यावरण संरक्षण और संयमित विकास पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में बहुत बड़ी समस्या पैदा हो सकती है। उत्तराखण्ड में गंगा के उद्गम आपदा और जलवायु परिवर्तन के चलते बुरी तरह प्रभावित हैं। इस भायानक स्थिति के बाद भी गंगा की एक महत्वपूर्ण धारा भागीरथी के उद्गम से ही गंगा की निर्मलता को लेकर एन्जीटी ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। दूसरी बात है कि भागीरथी के उद्गम में लाखों देवदार के पेंड़ा पर संकट की तलवार लटक रही है। यहां चौड़ी सड़क बनाने के लिए घने देवदार के जंगल को काटने की तैयारी चल रही है। इस विषय को तो राष्ट्रीय विवरण का मुद्दा बनाया जाना ही चाहिए और एक बार फिर देशवासी उद्गम से लेकर देश में जहां-जहां से गंगा

बह रही है उन तमाम राज्यों से हो रहे प्रदूषण, अतिक्रमण, शोषण के खिलाफ एक बार फिर से नदी बचाओ अभियानर की तर्ज पर एकत्रित होकर आवाज बुलांद करना चाहिए। पूर्व सांसद अली अनवर का कहना था कि गंगा का सवाल धार्मिक मामला नहीं है, जिसका राजनीतिक दोहन किया जा रहा है, बल्कि यह सांस्कृतिक मामला है। धार्मिक भावनाओं का शोषण करने के लिए राजनीतिक दल के लोग तरह-तरह की बातें करते हैं। नमामि गंगे योजना के नाम पर पिछले 10 साल से लूट मची है। यह योजना एक तरह से फेल है। पैसे भ्रष्टाचारियों व ठेकेदारों की जेब में जा रहे हैं। यकीनन यह सब गंगा को मारने की योजना है। विकास का विद्वप्न चेहरा जो सभ्यता और संस्कृति की पावन धारा में सङ्घांघ पैदा करने से बाज नहीं आता। इस विकास का लक्ष्य गंगा की पवित्रता और अविरलता सुनिश्चित करना नहीं है, बल्कि इसकी निगाहें गंगा सफाई के लिए आवंटित बजट की बंदरबांट पर ही ज्यादा टिकी है। गंगा एक संस्कृति का नाम है इसलिए गंगा की लड़ाई संस्कृति बचाने की लड़ाई है। गंगा मुक्ति आदोलन के संस्थापक अनिल प्रकाश कहते हैं कि गंगा की हत्यारी आधुनिक विकास की नीति है। दिल्ली के पत्रकार प्रस्तुत लतांत कहते हैं कि योजनाएं जब तक जनता की अपेक्षा के प्रतिकूल होगी तो यही होगा। गंगा या नदी धाटी की सभ्यता

को बचाने के प्रयास तभी सारथक होंगे, जब गंगा पर अश्रित समुद्राय से विमर्श कर योजनाएं बनें। मध्युपर झारखंड के पर्यावरणविद सामाजिक कार्यकर्ता धनश्याम जी की चिंता बांधों को लेकर है, उनके अनुसार अमेरिका के केनसी वैली के तर्ज पर कोलकाता बंदरगाह को साफ करने के लिए दामोदर को बांधा गया, तत्पश्चात फरक्का बराज बनाया गया। फरक्का बराज का विरोध उस वक्त इंजीनियर कपिल भट्टाचार्य ने किया था। गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता अनिल प्रकाश ने गंगा समेत अन्य नदियों को दोहन से बचाने के लिए बड़े आंदोलन का आह्वान किया साथ ही कहा कि जब दूसरे देश में बांध तोड़े जा रहे हैं, तब वहीं आज भारत में विश्व बैंक से कर्ज लेकर बांध पर बांध बनाने को हरी झंडी दी जा रही है। इसके मूल में राजनेता, नौकरशाही और ठेकदारों का गठजोड़ है। सारा खेल कमीशन का है। इसके कारण पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार में लिपट है। क्या कारण है कि बांधों के सवाल पर सरकारी कमेटी में शामिल विशेषज्ञों की राय को नजर अंदाज किया जा रहा है।

कार्यक्रम में राजस्थान महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, भागलपुर, कहलगांव एवं नेपाल के दर्जनों ऐसे लोग शामिल हुए, जो पर्यावरण, नदी, जल-जंगल-जमीन को लेकर काम कर रहे हैं। इस मौके पर वर्देंद्र क्रांति वीर, हेमलता महस्के, अखिलेश कुमार, कृष्ण कुमार माधी, आदित्य सुमन, गणेश, राजा राम सहनी, चंदेश्वर राम, बागमती संघर्ष मोर्चा से नवल किशोर सिंह, ठाकुर देवेंद्र, डॉ संतोष सारंग, जगरनाथ पासवान, राम एकबाल राय, अरविंद, कृष्ण प्रसाद, डॉ नवीन झा, श्याम नारायण यादव, राजीव, शाहिद कमाल ने शिरकत की। साथ ही फैसला लिया गया कि 22 फरवरी 2025 को गंगा मुक्ति आंदोलन के वर्षांग पर कांगड़ी टोला कहलगांव, भागलपुर में पुनः देश भर से परिवर्तनवादी जुटेंगे और आगे की योजना बनाएंगे। गंगा मुक्ति आंदोलन ने कई मुद्दों के साथ बिहार की नदियों में फ्री फिशिंग एक्ट बनाने के आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया है। 1990 में बिहार सरकार ने पारंपरिक मछुआरों को नदी में निःशुल्क मछली पकड़ने का अधिकार दिया था, जिसे छल और फरेब से अब शिथिल किया जा रहा है। बिहार में अभी स्पैशल जमीन सर्वे भी चल रहा है। नदियों की जमीन का सीमांकन (चौहदी) और रक्बा निर्धारित करने को लेकर अभियान चलाने की बात कही गयी। इसके साथ ही संकल्प लिया गया कि गंगा की अविरलता और निर्मलता बहाली के लिए, गाद के स्वाभाविक निदान के लिए फरक्का बराज को खोलने सहित सभी बांध बराज तटबंध को खत्म कर नदियों की प्राकृतिक अवस्था बहाल करने और किसी भी प्रकार का प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करने के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।

संपादकीय

सरकार की असफलता



संजय गोस्वामी

आ एसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं का नाम लिए बिना भारत में उनकी घटती आबादी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यदि समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से कम हो जाये तो समाज को किसी को नष्ट करने की आवश्यकता नहीं है, वह स्वयं ही नष्ट हो जायेगा। इसलिए कम से कम तीन बच्चे पैदा करना जरूरी है। यह कथन सही है क्योंकि आंकड़े बताते हैं प्राकृतिक पर्यावरण अपनी वहन क्षमता के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिस तरह कौरोना और किसी भी रोगों से मर्त्यु हुई है उसका जन्म भी होना चाहिए पर्यावरण में जीवन-निर्वाह संसाधन सीमित हैं और व्यक्तिगत प्रजातियों के सदस्यों के लिए अधिक जनसंख्या घनत्व और अन्य प्रजातियों से प्रतिस्पर्धा, अन्य कारकों के अलावा कम हो सकते हैं।

इसके अलावा, प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और प्रवास सभी खाद्य उपलब्धता, साथी की उपलब्धता और प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं जैसे पर्यावरणीय तनाव कारकों से प्रभावित होते हैं विश्व की मानव जनसंख्या ने 19वीं शताब्दी में भारी तरह का

जनसंख्या न १४वीं शताब्दी से धारावन वृद्धि का अनुभव किया, लेकिन 20वीं शताब्दी के उत्तराधि से वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। हालाँकि देशों के बीच

मानव जनसंख्या की वृद्धि आवश्यक है

जनसंख्या वृद्धि दर में काफ़ी भिन्नता है और कुछ क्षेत्रों में वृद्धि दर में वृद्धि जारी है, लेकिन समग्र वृद्धि दर घट रही है नवंबर 2024 में दुनिया की मानव आबादी 8.2 बिलियन तक पहुँच गई और 2080 तक 10.4 बिलियन तक पहुँचने और सदी के अंत तक उस स्तर पर बने रहने का अनुमान है। हालाँकि मानव मृत्यु दर औसतन कम हो रही है, लेकिन घटती जनसंख्या वृद्धि दर का मुख्य कारण कम प्रजनन क्षमता है। प्रजनन व्यवहार पैटर्न के आधार पर प्रजनन क्षमता भिन्न होती है, जो बदले में सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक आर्थिक स्थितियों, गर्भार्थीराधिक तक पहुँच और जनसंख्या घनत्व जैसे पारिस्थितिक चर जैसे कारकों पर निर्भर करती है जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या पारिस्थितिकी में, किसी विशेष समय अवधि के दौरान किसी विशेष स्थान पर किसी निश्चित पौधे या पशु प्रजाति के सदस्यों की संख्या में परिवर्तन। जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारकों में प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और जानवरों में प्रवास शामिल हैं - यानी किसी विशेष स्थान पर आप्रवास या प्रवास। समय के साथ जनसंख्या में औसत परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि दर कहा जाता है। सकारात्मक वृद्धि दर जनसंख्या वृद्धि को इंगित करती है, और नकारात्मक वृद्धि दर जनसंख्या में कमी को इंगित करती है। किसी दिए गए वातावरण में जनसंख्या की ऊपरी सीमा, जिसे पर्यावरण की वहन क्षमता कहा जाता है, उस जनसंख्या के लिए जीवन-निर्वाह करने वाले संसाधनों की मात्रा और उपलब्धता से निर्धारित होती है किसी दिए गए स्थान और समय अवधि में जनसंख्या वृद्धि दर की गणना जनसंख्या हानि, या मृत्यु दर और प्रवास की संयुक्त दरों को जनसंख्या लाभ, या प्रजनन क्षमता और आप्रवास की संयुक्त दरों से घटाकर की जा सकती है। प्रजनन क्षमता एक निश्चित पर्यावरणीय परिस्थितियों में एक व्यक्तिगत

प्रजात के सदस्य द्वारा समय अवधि में आसतन पकी गई संतानों की संख्या है। प्रजनन क्षमता व प्रजनन क्षमता से भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए किसी प्रजाति के सदस्य द्वारा किसी निश्चित समय अवधि में पैदा की जा सकने वाली संतानों के सैद्धांतिक अधिकतम संख्या।

जनसंख्या का लिंग अनुपात और आयु संरचना प्रजनन दर को प्रभावित करती है, क्योंकि वे प्रजनन करने में सक्षम व्यक्तियों की संख्या को सीमित करती हैं। जनसंख्या वृद्धि गतिशीलता को एस-आकार दे वक्र में ग्राफिक रूप से दर्शाया जा सकता है, जिस लॉजिस्टिक वक्र के रूप में जाना जाता है। लॉजिस्टिक वक्र (दाएं) विकास में प्रारंभिक अंतराल, घातीय वृद्धि का विस्फोट और अंत जनसंख्या वृद्धि में गिरावट का प्रतिनिधित्व करता है। जब जनसंख्या घनत्व अधिक होता है, तो संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, शिकार या बीमारी के बढ़ते संक्रमण के कारण मृत्यु दर में वृद्धि होती है, जिसके परिणामस्वरूप वक्र के अंत में वृद्धि में पठार होता है। पर्यावरण में मौसमी विविधताओं के साथ सहसंबंध जनसंख्या वृद्धि दर में भी उतार-चढ़ाव हो सकता है। उदाहरण के लिए, गहरी झीलों में, वसंत के पिघले से झील की सतह पर ठंडा, गहरा पानी ऊपर उठता है, जिससे पोषक तत्व निकलते हैं जो फिर शैवाल बैकटीरिया और प्रोटोजोआ (पानी का खिलना देखें) सहित प्लवक की वृद्धि में तेजी लाते हैं। विभिन्न प्रजातियों की जनसंख्या वृद्धि शिकारी-शिकार संबंध द्वारा भी निर्धारित की जा सकती है - उदाहरण दें। लिए, जलैंकटन (सूक्ष्म जलीय जानवर) का आबादी में वृद्धि के बाद, उनके शैवाल शिकार का आबादी कम हो सकती है या थीमी दर से बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप जनसंख्या पैटर्न में उतार-चढ़ाव होता है, जैसे कि स्नोश होरे और लिंक्स का

आबादी का चक्रवाय उत्तर-चढ़ाव, हात ह। हाल के दशकों में मनुष्यों में घटी मृत्यु दर ने जनसंख्या की आयु संरचना को बदल दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग के जनसंख्या प्रभाग द्वारा यह भविष्यवाणी की गई है कि 2050 तक दुनिया की 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की आबादी 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की आबादी से दोगुनी हो जाएगी। इसका मतलब है कि आने वाले दशकों में आनुपातिक रूप से कम लोग प्रजनन आयु के होंगे, जो जनसंख्या वृद्धि में गिरावट में योगदान देगा। वहन क्षमता और घातीय बनाम तार्किक जनसंख्या वृद्धि एक आदर्श वातावरण में (जिसमें कोई सीमित कारक नहीं होते) जनसंख्या घातीय दर से बढ़ती है। इन आबादियों का विकास वक्र चिकना है और समय के साथ तेजी से बढ़ता जाता है (बाएं)। हालांकि, सभी आबादियों के लिए, खाद्य पदार्थों की कमी, अन्य संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा या जीवार्थी जैसे कारकों के कारण घातीय वृद्धि कम हो जाती है। जैसे-जैसे प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और संसाधन तेजी से दुर्लभ होते जाते हैं, आबादी अपने पर्यावरण की वहन क्षमता (ड) तक पहुँच जाती है, जिससे उनकी वृद्धि दर लगभग शून्य हो जाती है। यह आबादी वृद्धि का एक र-आकार का वक्र बनाता है जिसे लॉजिस्टिक वक्र के रूप में जाना जाता है। वहन क्षमता, किसी प्रजाति का औसत जनसंख्या घनत्व या जनसंख्या आकार जिसके नीचे उसकी संख्या बढ़ने लगती है और जिसके ऊपर संसाधनों की कमी के कारण उसकी संख्या घटने लगती है। एक आवास में प्रत्येक प्रजाति के लिए वहन क्षमता अलग-अलग होती है क्योंकि उस प्रजाति के विशेष भोजन, आश्रय और सामाजिक आवश्यकताएँ होती हैं। अच्छे स्वास्थ्य की देखभाल भी बहुत महत्वपूर्ण है।

ज्वलंत समस्याओं के हल की वाट जोहता देश

किसानों के मुद्दे पर भी राजनीति होती है और मामला जस का तस खड़ा किसानों को मुंह चिढ़ाता दिखता है। इस सियासी माहौल में मंटिर-मस्तिशक्ति मामलों को गरमाने का भी काम बदस्तर जारी है। उत्तर प्रदेश इसका केंद्र बना हुआ है। अयोध्या राम जन्म भूमि के बाद अब संभल जामा मस्तिशक्ति सर्वे पर जो हिंसा हुई है, उसने सभी को हिला कर रख दिया है। इस हिंसा में जहां पांच लोगों ने अपनी जान गंवा दी वहीं शांति बहाली के लिए तैरान पुलिसकर्मी भी बड़ी संख्या में घायल हो गए। हिंसा और पुलिस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव और मात्रम का माहौल होने की बात कही जा रही है। इसी बीच कुछ विपक्षी नेताओं ने संभल जाने और हालात का जायजा लेने के साथ ही दुर्खियों के आंसू पौँछे और उन्हें ढांठेस बंधाने की बात कही, जिसे सरकार व प्रशासन ने सिरे से खारिज कर दिया। यहां मामले की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी संभल जाने के लिए काफिले के साथ निकल पड़ते हैं। ये नेता हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उनके दुर्ख-दर्द को साझा करना चाहते हैं, उन्हें संबल देना चाहते हैं, लेकिन इससे पहले उनके काफिले को प्रशासन ने गाजीपुर बॉर्डर पर रही रोक दिया। इस पर राजनीति शुरू हो गई जहां एक तरफ राहुल समर्थकों के बयान आए वहीं समाजवादी पार्टी नेता रामगोपाल यादव कहते सुने गए कि कांग्रेस पार्टी संसद में तो संभल मुझ उठा नहीं रही है और राहुल गांधी संभल जा रहे हैं, इसे अब

क्या कहा जाए? कौन्हेस औपचारिकता निभा रही है। और पुलिस उहें जाने नहीं देगी। अब इहें कौन बताएं कि इससे पहले तो खुद समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल संभल जाने को आतुर था। साथ ही अध्यक्ष व संसाद और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल संभल का दैग्रा करना चाह रहा था। लेकिन वह भी कामयाब नहीं हुआ। इसके बाद अराहुल और प्रियंका ने यह कदम उठाया है। इस पर कांगेस नेता जयराम रमेश का बयान आता है विरहाहुल और प्रियंका को संभल नहीं जाने देना तानाशाही है, जबकि वहां जाना हमरे नेताओं का संवैधानिक अधिकार है। इसी तरह की बात अखिलेश यादव भी कर चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म में एक पोस्ट करते हुए कहा था कि संभल जाने पर प्रतिबंध लगाना भाजपा सरकार के शासन, प्रशासन और सरकारी प्रबंधन की नाकामी है। इस पोस्ट में एक महत्वपूर्ण बात यह कही गई है कि यह प्रतिबंध यही सरकार उन लोगों पर पहले ही लगा देती, जिन्होंने दंगा-फसाद करवाने का सपना देखा और उन्मादी नालगवाए तो संभल में सौहार्द-शार्ति का वातावरण नहीं बिगड़ता।

वाकई राजनीतिक रोटियां सेंकने की बजाय देशहित यदि मामलों को शार्तपूर्ण ढंग से हल किया जाता तो न हिंसा होती और न ही किसी को अपनी जान से हो जाए। यहां थोना पड़ता। इस मामले में शासन-प्रशासन फेल रहा है, लेकिन विपक्ष भी इसे लेकर दूध का धुला नहीं

A portrait photograph of a man with dark, wavy hair and a prominent mustache. He is wearing a light-colored shirt and a dark tie. The photo is set within a thin black rectangular frame.

इंडियन अहमद स्वामी

आ जादी पूर्व के जननेताओं की राजनीति और वर्तमान राजनीति में जमीन-आसमान का अंतर है। तब देश के ज्यादातर नेता आजादी को मुख्यउद्देश्य मानकर राजनीति करते थे। ऐसा करते हुए हमारे नेतागण तब अंग्रेजी हुकूमत के जुल्मों-सितम का शिकार होते थे, गोलियां खाते थे या फिर जेल जाया करते थे। इससे उलट आज की राजनीति स्वयं व पार्टी के वर्चस्व को कायम रखने पर केंद्रित होती दिखाई देती है। आजादी के 77 वर्ष बाद भी गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले राजनीतिक रोटियां सेंकने के काम आ रहे हैं। किसान अपने हालात सुधारने जी-जान से प्रयास करते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए सरकार से गुहार भी लगाते हैं। ऐसे में जब उनकी मुनवाई नहीं होती तो वो दिल्ली कूच कर, देश और दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींचते नजर आते हैं। मतलब साफ है कि



मोहनलाल की एल 2-एमपुरान की थूटिंग पूरी

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल 2-एमपुरान साल 2025 में आने वाली है। की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में, दिग्गज अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैट्स पर घोषणा की कि टीम ने फिल्म की थूटिंग पूरी कर ली है। एल 2-एमपुरान के आखिरी शॉट मलमानुजा जलाशय के किनारे थूट किया गया था।

एकस अकाउंट पर किया थक्क

साउथ अभिनेता मोहनलाल ने अपने एकस अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी 14 महीनों की आपनी इस यात्रा को दिखाया है।

इस फिल्म की शूटिंग आठ राज्यों और 4 देशों में हुआ है। इस बात को खुद मोहनलाल ने ही बताया है।

मोहनलाल ने लिखी ये बात

मोहनलाल ने लिखा, यह एल 2-एमपुरान का साथा नहीं है। 8 राज्यों और 4 देशों, जिनमें युक्त, यूरोप और यूरोपी शामिल हैं, मैं 14 महीने की एक अविश्वसनीय यात्रा। इस फिल्म का जाहू पृथ्वीराज सुकुमारन के शानदार निर्देशन के कारण है, जिनकी रचनात्मकता हर फ़ैम को ऊपर उठाती है।

टीम को किया धन्यवाद

मोहनलाल ने लिखा, यह सब समर्पित कलाकारों और वर्क के बिना सभव नहीं होता, जिन्होंने इस कहानी को जीता किया। एल 2-एमपुरान एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा का एक उल्लेखनीय अध्यय रहा है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूँगा।

मार्च में रिलीज होगी फिल्म

एल 2-एमपुरान फिल्म योग्यतावाली अगले साल 27 मार्च 2025 में रिलीज होने वाली है।

फिल्म को देखने के लिए मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन के प्रशंसक उत्साहित हैं। इस फिल्म में मुरली गोपी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली है।



नेटपिलवस प्रोजेक्ट में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेता इमरान खान साल 2015 से सिल्वर स्क्रीन से गायब है। हालांकि, खबरों में वो अब एक नए नेटपिलवस प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसका निर्देशन असलम करेगा। दानिश ने इमरान की फिल्म ब्रेक के बाद का भी निर्देशन किया था। वही, इस नेटपिलवस प्रोजेक्ट में नजर आने वाली अभिनेत्री को लेकर भी चर्चा रही है।

गई है। एक नाम भी सामने आया है।

इमरान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि

कथित तौर पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक कोई दोस्त पर अपने नाम नहीं किया है। अमर वह फिल्म का हिस्सा बनती है तो यह भक्षक और आगामी द रॉयल्स के बाद नेटपिलवस इंडिया के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा।

मार्च 2025 में शुरू होगी शूटिंग!

फिल्म की स्क्रिप्ट फिल्माल अपने अंतिम चरण में है, जिसका मसीदा अगले महीने पूरा होने की उम्मीद है। इसके तुरंत बाद प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा और टीम की योजना मार्च 2025 में शूटिंग शुरू करने की है। इमरान के फैस उनकी झीलीन पर वापसी का बैसिक से इंतजार कर रहे हैं।

सिल्वर स्क्रीन पर आमने सामने होंगे अजय और ऋतिक

2020 में तान्हाजी-द अनसंग वॉरियर की सफलता के बाद, अभिनेता-निर्माता अजय देवगन अनसंग वॉरियर्स फैचाइजी में दूसरी किस्त की योजना बना रहे हैं। जनकारी के अनुसार, अजय देवगन और निर्देशक ओम रात निर्मानों से इस परियोजना पर चर्चा कर रहे हैं। दोनों को शुरू में 17ी सदी के मराठा सेना के जनरल बाजी प्रभु देशपांडे की कहानी बताने में सुधी थी। हालांकि, इसी विषय पर आधिकारित मराठी फिल्म पान्हिंड (2022) की रिलीज के बाद योजनां बदल गई। प्रोजेक्ट पर आया नया अपडेट योजनां बदल देने वाला है।

अजय देवगन-ओम रात

के बीच चल रही चर्चा!

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन और ओम रात दो विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे या तो एक ही कहानी को बड़े पैमाने पर बताएं, या मराठा साम्राज्य से किसी अन्य नायक को चुनें। बातचीत अभी शुरूआती चरण

मैं पैपराजी को फोन करके नहीं बुलाती, सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने का तरीका बताया

किरदारों में खुद को पूरी तरह से ढाल लेने वाले कलाकारों में से एक अभिनेत्री प्रत्येको भी है। वह कई फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभा चुकी है। हाल ही में उन्होंने अपने कारियर और सोशल मीडिया पर केसे पॉपुलर हुआ जा सकता है, इस बारे में एक इंटरव्यू में बात की। पत्रलेखा को अक्सर ही जिम के बाहर पैपराजी धूम लेते हैं और उनके तस्वीरें भी लेती हैं। उनकी जिम फोटोज हमेशा ही शानदार आती हैं। हाल ही में दिए गए इंटरव्यू में पत्रलेखा ने पैपराजी को बारे में कहा कि वह लोगों की अच्छी गेटअप नहीं है और फोटो मत ले तो वह ये बताता मान लेते हैं।

इस पत्रलेखा ने कहा बिल्कुल नहीं, मैं ऐसा नहीं करती हूँ। इसके जबाब में इंटरव्यू लेने वाला शख्स दोबारा कहता है कि कुछ एक्टर तू पैपराजी को फोन करके बुलाते हैं। इसी बात पर पत्रलेखा भी हासी भरती है।

सोशल मीडिया पर रियल रहना चाहिए

इसी इंटरव्यू में उनसे सवाल किया जाता है कि वह अपनी बहुत सी सेली खींच कर सोशल मीडिया पर डालती है। उनको इस पर खबर लाइस भी मिलते हैं।

वह सोच-विचार करती है। पत्रलेखा इस साथ सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर करने से पहले जवाब में दिया जाता है, 'ऐसा नहीं है।' एसे अपने मन की सुनहरी है, अपने मन की करती है।' पत्रलेखा सोशल मीडिया पर खुद को रियल रखनी है, शायद इसी वजह से उनके फॉलोअर बढ़ते जाते हैं।

राजकुमार से मिलती है फिल्में देखने की सलाह

पत्रलेखा यह भी बताती है कि जब राजकुमार राव घर पर रहे थे, वह एक फिल्म के जावेद जाफरी को बारे में बोलता था, 'ऐसा नहीं है।' उनसे एक बात चूकती है, वही लाती है, 'वह भी राजकुमार राव को अच्छी फिल्म सोजर्स करती है।' दोनों कम समय साथ में बीता पाते हैं लेकिन जब भी साथ होते हैं तो मनसंदेश खाना खाते हैं।

ट्रोलिंग करने वालों के मजे लेती हूँ

ट्रोलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 को लेकर फैस काकी उत्साहित है। अब खबर आ रही है कि फिल्म से तीन एक्शन निर्देशक, हॉलीवुड की बैनम और एंजेलस एज ॲफ अल्ट्यून जैसी फिल्मों के लिए काम



ऋतिक रोशन-एनटीआर की वॉर 2 से जुड़े तीन एक्शन निर्देशक, हॉलीवुड की फिल्मों के लिए भी कर चुके हैं काम

हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 को लेकर फैस काकी उत्साहित है। अब खबर आ रही है कि फिल्म से तीन एक्शन निर्देशक को जोड़ा गया है, जिनमें हॉलीवुड की बैनम और एंजेलस एज ॲफ अल्ट्यून जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके निर्देशक शामिल हैं।

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे सितारों से सजी वर्ष 2 हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को महाशूर निदेशक अयान मुखर्जी निर्देशित करना आवश्यक है। यह फिल्म जब लैंडर के बाद से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रखिया है। इस फिल्म के लिए निर्माता निर्माताओं ने एक वलाइमेक्स के शानदार सिल्वर मूखर्जी निर्देशक के फिल्म से जुड़ा गया है, जिनमें हॉलीवुड के एक्शन निर्देशक को फिल्म से छीना जाता है। इस वजह से फिल्म के निर्माताओं ने एक वलाइमेक्स तो शानदार सिल्वर मूखर्जी निर्देशक के फिल्म से जुड़ा गया है।

वॉर 2 से जुड़े हॉलीवुड फिल्मों के एक्शन निर्देशक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके शानदार एक्शन निर्देशक को फिल्म से जारी गया है, जिनमें अमेरिकी स्टेट कॉर्पोरेशन को फिल्म से जारी गया है, जिनमें हॉलीवुड की बैनम और सुरुली रोड्रिग्यूस हैं। स्पाइकरो रोड्रिग्यूस ने इससे पहले वेम और द फैट ऑफ द पर्याप्तियां जैसी फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को लेकर फैस की जबरदस्त उत्सुकता की दर्शकों है। यह फिल्म निर्माता निर्माताओं ने एक वलाइमेक्स के एक्शन निर्देशकों को फिल्म निर्माता निर्माताओं ने एक वलाइमेक्स के एक्शन निर्देशकों को फिल्म निर्माता निर्माताओं ने एक वलाइमेक्स के एक्शन निर्देशकों को फिल्म निर्माता निर्माताओं ने एक वलाइमेक्स के एक्शन निर्देशकों को फिल्म निर्माता निर्माताओं ने एक वलाइमेक्स के एक्शन निर्देशको

आईसीसी रैकिंग में यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को बड़ा नुकसान, बुमराह की बादशाहत कायम

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बलेजाज यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। जबकि जसप्रीत बुमराह को बादशाहत कायम है। दरअसल, पिछले हाले के अपडेट में दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेले गए पहले टेस्ट के अलावा न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट को भी शामिल किया गया है।

वहाँ टेस्ट रैकिंग की बात करें तो, इंग्लैंड के जो रुट पहले स्थान पर बने हुए हैं जबकि इंग्लैंड के ही होंगे ब्रूक दो स्थान के फायदे से दूसरे स्थान

पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे स्थान पर हैं तो भारत के यशस्वी जायसवाल दो स्थान के बीच स्थान के साथ चौथे नंबर पर पिछके गए हैं। श्रीलंका के कर्मिंदू मेंडिस दो स्थान के फायदे से अब सातवां नंबर पर हैं तो सातवां अफ्रीका के टेम्पो बालुमा 14 स्थान के जबरदस्त फायदे से सीधे 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा भारतीय सलामी बलेजाज विराट कोहली टॉप 10 से बाहर हो गए हैं, उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ और वह अब 14वें स्थान पर है। श्रीलंका के बादशाह दूसरे में 11 विकेट अपने नाम करने वाले दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन 19 स्थान के जबरदस्त फायदे से सीधे 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं।



सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव अच्छा रहा : रानी

राहुल (एजेंसी)। पिछले महीने वलब के लिए बेंटर (मार्गदर्शक) के रूप माह ही हाँकी टीम की पूर्ण बार में भी काम करेंगे। इसमें पहली बार महिला हाँकी टीम की अलविदा भारतीय महिला ओंकार के ट्रॉफी पीछे हो गयी। रानी ने रामपाल अज़कल जूनियर महिला टीम साल 2008 में 14 साल की उम्र में कोच के तौर पर काम कर रही है। इसी ओंकार क्रान्तीफायर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर को लेकर रानी ने कहा, “सब जूनियर पर पदार्पण किया गया। इसलिए उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरक़ित दबाव का अनुभव जाता है। उन्हें बांधने का बांधना और उन्हें बांधने के लिए बांधना की अपनी स्कॉरिंग बांधना से उस भूमिका को निभाने का प्रयास करनगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावानात्मक रूप से प्रदर्शन करने के बाहर हाँकी टीम के बाहर होता है।”

अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे चाहीं। वर्षा लड़कायां थीं पूर्व काम कहा है कि एशियाई चैम्पियनशिप का अनुभव जातकर भारतीय टीम में जैसे है। उन्होंने टीम की समझकृत और उनका समर्ददान करना आसान था।” उन्होंने के लिए अपनी अनुभव के बारे में पता चलता है कि एम सही दिशा में आगे कहा, “मैंने उसे कहा कि अगर मैं सफल बढ़ रही है। रानी ने कहा, “एशियाई हो सकती है तो आप भी हो सकती हो। उन्हें चैम्पियनशिप टीम की समझकृत और उनके बारे में इसमें उनकी अनुभव के बारे में आगे कहा।” वर्षा लड़कायां थीं पूर्व काम कहा है कि एशियाई चैम्पियनशिप का अनुभव जातकर भारतीय टीम की अनुभव जातकर भारतीय टीम में जैसे है। उन्होंने एक प्रकार करने के लिए अपनी अनुभव के बारे में उन्हें बांधने का बांधना और बेहतर प्रदर्शन के लिए साथ अनें अनुभव सज्जा करें। उन्हें बांधनी की अपार्शन किया गया। वह अच्छी शुरूआत है। इसमें आगर्दान देने का प्रयास किया गया।” वह तय है कि कोच हेंड्रिंग के नेतृत्व में टीम अगले बारों में न्यूजीलैंड करेगी।

यशस्वी जायसवाल वहीं खड़ा है जहां मैं 10 साल पहले था : केएल राहुल

एकीकरण। लोकेश राहुल को 22 वर्षीय यशस्वी जायसवाल में अपनी इंजल के दिखाई ही जो अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उमीद रखिए थे। उनके दिलें एकीकरण में नजर आ रहे हैं जैसे वह 10 वर्ष पूर्व अपनी शुरुआती ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थे। राहुल ने 2014-15 की

श्रूखला में मैलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर पदार्पण करते हुए छठे नंबर पर बलेजाजी की थी और तीन तथा एक साल की पारी खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने बलेजाजी के रूप में जोरावर यापारी करते हुए अपनी शुरूआती एम्सीजी से 110 रन बनाकर सभी का ध्यान खींचा।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स दिखे थे जहां उन्होंने मुरली बिजय के साथ एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने बलेजाजी के रूप में जोरावर यापारी करते हुए अपनी शुरूआती एम्सीजी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स

दिलें एकीकरण के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स

दिलें एकीकरण के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स

दिलें एकीकरण के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स

दिलें एकीकरण के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स

दिलें एकीकरण के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स

दिलें एकीकरण के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स

दिलें एकीकरण के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी के रूप में राहुल नर्वर्स के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए अपनी बांधनी की ओर खेली थी।

सिजनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वर्स

दिलें एकीकरण के लिए एक घाटा बलेजाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाती ही की ओर खेली थी। उन्होंने लालिक अग्रणी हो गई थी। उन्होंने लालिक अग

